M.A. DEGREE EXAMINATION, JUNE/JULY 2025.
Second Semester
Hindi

HISTORY OF HINDI LITERATURE

Time : Three hours Maximum : 70 marks

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान है।

(5 × 14 = 70)

1. (a) आधुनिक काल की परिस्थितियों एवं प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

(b) हिन्दी साहित्य के विकास पर प्रकाश डालिए।

2. (a) भारतीय नवजागरण की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

(b) हिन्दी कहानी साहित्य का उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

3. (a) छायावादी कविता की मूल संवेदना की समीक्षा कीजिए।

अथवा

(b) हिन्दी एकांकी का उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

4. (a) हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास और प्रमुख रचनाओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

(b) प्रगतिवाद काव्य धारा पर प्रकाश डालिए।

5. (a) किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

(i) समकालीन कविता।

(ii) प्रयोगवाद काव्यधारा।

(iii) नई कविता।

(iv) हिन्दी कहानी विधा।

(b) किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

(i) भारतेंदु युग।

(ii) छायावाद।

(iii) हिन्दी रेडियो नाटक।

(iv) हिन्दी एकांकी।

**(202HN21)**

M.A. DEGREE EXAMINATION, JUNE/JULY 2025.

Second Semester

Hindi

THEORY OF LITERATURE (WESTERN)

Time : Three hours Maximum : 70 marks

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान है।

$(5 \times 14 = 70)$

1. (a) प्लेटो अनुकृति पर समीक्षा कीजिए।

अथवा

(b) अरस्तु विरेचन पर प्रकाश डालिए।

2. (a) काव्य में उडान तत्व को समझाइए।

अथवा

(b) आई.एस. रिचर्डस् मूल्य एवं संप्रेषण का सिद्धांत पर प्रकाश डालिए।

3. (a) टी.एस. इलियट निवैयक्तिकता का सिद्धांत पर समीक्षा कीजिए।

अथवा

(b) एफ.आर. लेविस मूल्य विवेचन को समझाइए।

4. (a) मार्क्स की वर्ग संघर्ष को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

(b) लोंजाइनस उदात्त की अवधारणा पर समीक्षा कीजिए।

5. (a) किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

(i) प्रतिबद्धता और पक्षधरता।

(ii) रेखाचित्र और एकांकी।

(iii) अस्तित्ववादी साहित्य चिंतन।

(iv) निबंध और संस्मरण।

(b) किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

(i) अस्त – अनुकृति।

(ii) टी.एस. इलियट – वस्तुनिष्ठ समीकरण।

(iii) प्लेटो – काव्य पर आरोप।

(iv) आई.एस. रिचर्डस् – आलोचक के गुण।

---

**(203HN21)**

M.A. DEGREE EXAMINATION, JUNE/JULY 2025.

Second Semester

Hindi

MODERN POETRY

Time : Three hours Maximum : 70 marks

प्रथम प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है।

$(4 \times 7½ = 30)$

अन्य प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

$(4 \times 10 = 40)$

1. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

(a) (i) बहु युवा युवती गृह-बालिका।
विपुल-बाला वृद्ध वयस्क भी।
विवश से निकले नित गेहूं से
साहस का दृघ-गोचक के लिए।

अथवा

(ii) विशद उज्ज्वल-उन्नत भाल में।
विलासती कल केसर-खौर थी।
असित-पंकज के दल में यथा।
रज-सुरंजित पीत-सरोज की।

(b) (i) मसृण गांधार देश के, नील
रोम बाले मेघों के चर्म,
ढँक रहे थे उसका वपु कांत
बन रहा था वह कोम वर्म।

अथवा

(ii) कुसुम कानत-अंचल में मंद
पवन प्रेरित सौरभ साकार,
रचित परमाणु पराग शरीर

खड़ा हो ले मधु का आधार।

(c) (i) बुद्धि के दुर्ग पहुँचा विद्युत–गति हमचेतन
राम में जगी स्मृति हुए सजगपा भाव प्रमन।
यह है उपाय कहँ उठे राम ज्यों मन्द्रित धन
कहती थीं माता मुझे सदा राजीव–नयन।

अथवा

(ii) हारुँ तो खोऊँ अपनापन
पाऊँ प्रियतम में निर्वासन
जीत बनूँ तेरा ही बंधव
भर लाऊँ सीपी में सागर
प्रिय मेरी अब हार विपय क्या?

(d) (i) गत–युग के बहुत धर्म–रूढि के ताज मनोहर
मानव के मोहांध हृदय में किए हुए घर!
भूल गये हम जीवन को संदेश अनश्वर
मृतकों के हैं मृतक, जीवतों का है ईश्वर!

अथवा

(ii) चिन्तित भृकृति–क्षितिज तिमिरांकित
नमित नयन नभ वाष्पाच्छादित
आनन श्री छाया शशि उपजित
ज्ञान मूढ़ गीता प्रकाशिनी।

2. (a) प्रियप्रवास की तालिका विवेचन पर विस्तार रूप से चर्चा कीजिए।

अथवा

(b) कामायनी में रूपक तत्व पर विचार कीजिए।

3. (a) निराला कृत राम की शक्ति पुजा के काव्य–सौष्ठव की समीक्षा कीजिए।

अथवा

(b) कामायनी में श्रद्धा सर्ग पर समीक्षा कीजिए।

4. (a) महादेवी वर्मा को 'आधुनिक युग की मीरा कहते है। समझाइए।

अथवा

(b) ताज कविता में पंतजी की भावनाओं के बारे में स्पष्ट कीजिए।

5. (a) किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

(i) प्रियप्रवास – हरिऔध।

(ii) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – राम की शक्तिपूजा।

(iii) जयशंकर प्रसाद – कामायनी श्रद्धा।

(iv) महादेवी वर्मा – विरह का जलपात जीवन।

(b) किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

(i) छायावाद की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि।

(ii) आधुनिकता की दिशाएँ।

(iii) महाकाव्य की नयी अवधारण।

(iv) पंत की प्रकृति काव्य।

M.A. DEGREE EXAMINATION, JUNE/JULY 2025.
Second Semester
Hindi
LINGUISTICS
Time : Three hours  Maximum : 70 marks

सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान है।

(5 × 14 = 70)

1. (a) भाषा की परिभाषा एवं भाषा की संरचना पर विस्तृत रूप से विवरण दीजिए।

अथवा

(b) भाषा विकास के मूल कारण पर समझाइए।

2. (a) भाषाओं का आकृतिमूलक वर्गीकरण पर प्रकाश डालिए।

अथवा

(b) ध्वनि तथा भाषा ध्वनि में अंतर को स्पष्ट कीजिए।

3. (a) बर्नर नियम एवं ग्रासमैन नियम पर विस्तृत चर्चा कीजिए।

अथवा

(b) रूप परिवर्तन के कारण और दिशाएँ पर समीक्षा कीजिए।

4. (a) अर्थविज्ञान और अर्थ परिवर्तन की दिशाओं को समझाइए।

अथवा

(b) वाक्यों के प्रकार एवं वाक्य गठन में परिवर्तन के कारण का वर्णन कीजिए।

5. (a) किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।
   (i) भाषा की परिभाषा।
   (ii) ध्वनि गुण।
   (iii) रूप विज्ञान।
   (iv) शब्द विज्ञान।

   (b) किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।
   (i) पतंजलि का परिचय।
   (ii) वाक्यों के प्रकार।
   (iii) कात्यायन का परिचय।
   (iv) वाक्य विज्ञान।

**(205HN21)**

M.A. DEGREE EXAMINATION, JUNE/JULY 2025.

Second Semester

Hindi

SPECIAL STUDY OF AN AUTHOR – DINAKAR

Time : Three hours Maximum : 70 marks

प्रथम प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है।

$(4 \times 10 = 40)$

अन्य प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

$(4 \times 7½ = 30)$

1. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

(a) (i) उदयाचल पर आलोक–शरासन ताने
आया मैं उज्जवल गीत विभा के गावे।
ज्योंतिर्धनु की शिंपिनी बना गाता हूँ।
टंकार–लहर अम्बर में फैलाता हूँ।

अथवा

(ii) सलिल कण हूँ, या पारावार हूँ मैं
स्वयं छाया, स्वयं आधार हूँ मैं
बंधा हूँ, स्वपन हूँ, लघु वृत हूँ मैं
नहीं तो व्योम का विस्तार हूँ मैं।

(b) (i) कर्म–संकुल लोक–जीवन से समय कुछ छीन,
हो जहाँ पर बैठ नर कुछ पल स्वयं में लीन
फूल–सा एकांत में उर खोलने के हेतु
शाम को दिन की कमाई तोलने के हेतु।

अथवा

(ii) पुण्य–पाप दोनों वृत्तों पर यह आशा खिलती है,
कुरुक्षेत्र के चिता–भस्म के भीतर भी मिलती है,

पिसवे पाया इसे, वही है सात्विक धर्म-प्रणेता,
सत्सेवक मानव-समाज का, सखा, अग्रणी नेता।

(c) (i) मैं ही था अपवाद, आज वह भी विभेद हरता हूँ।
कवच छोड़ अपना शरीर सबके समान करता हूँ।
अच्छा किया कि आप मुझे समतल पर लाने आये,
हर तनुत्र दैवीय; मनुज सामान्य बनाने आये।

अथवा

(ii) एक बार ही मगर, काम तू इससे ले पायेगा,
फिर यह तुरत लौट लर मेरे पास चला जायेगा।
अत: वत्स। मत इसे चलाग कभी वृथ चंचल हो,
लेना वच तभी जब तुझको और न कोई बल हो।

(d) (i) मैं तुम्हारे बाण का बींधा हुआ खग
वक्ष पर घर शीश मरना चाहता हूँ।
मैं तुम्हारी हाथ का लीला कमल हूँ
प्राण के सर में उतरना चाहता हूँ।

अथवा

(ii) एक ही आश, मरुस्थल की तपन में
अरे सजल कादम्बिनी! सर पर तुम्हारी छांह है।
एक ही सुख है, उरस्थल से लगा हूँ,
ग्रीव के नीचे तुम्हारी बांह है।

2. (a) दिनकर के काव्य प्रतिभा पर विस्तृत चर्चा कीजिए।

अथवा

(b) आधुनिक हिन्दी कविता का परिवेश पर समीक्षा कीजिए।

3. (a) रामधारी दिनकर व्यक्तित्व और कृतित्व को समझाइए।

अथवा

(b) दिनकर की रचनाशीलता पर प्रकाश डालिए।

4. (a) दिनकर की कविता में विचारतत्व पर समीक्षा कीजिए।

अथवा

(b) ऊर्वशी के संवेदना एवं शिल्प पर प्रकाश डालिए।

5. (a) किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

(i) कुरुक्षेत्र – सप्तम सर्ग

(ii) रश्मिरथी – कर्ण को नैतिकता

(iii) दिनकर – राष्ट्रीय चेतना

(iv) भीष्म

(b) किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

(i) दिनकर वैचारिक क्रान्ति

(ii) पुरुखा

(iii) युधिष्ठर

(iv) उर्वशी